सतर्क करने वाली कहानी: अप्रमाणित मलेरिया-रोधी दवाओं के जोखिम

एमाली, नाइजीरिया में टॉम मलिर एवं उनकी दोस्त, दिसंबर 2004. (सौजन्य टॉम मलिर)

टॉम मलिर धर्म-प्रचार और चिकित्सीय उद्देश्यों से पिछले 25 वर्षों में कीनिया, हेटी, पेरू और रूस जैसे देशों की कई बार यात्रा कर चुके हैं। इस यात्रा में वे जिन लोगों से मिले और उन्होंने जो कार्य किया उसके बारे में बताते हुए उनके चेहरे पर चमक आ जाती है।

दिसम्बर 2004 में नाइजीरिया की अपनी यात्रा के लिए टॉम ने स्वस्थ बने रहने का पूरा इरादा कर रखा था। उनकी तैयारियों में ओकलाहोमा सिटी स्थित उनके स्थानीय काउंटी स्वास्थ्य विभाग में पीत-ज्वर का, हेपेटाइटिस ए का और अन्य सिफारिश किये गये टीके लगवाना शामिल था। स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें मलेरिया सम्बन्धित साहित्य दिया और यह भी सिफारिश की है कि वे निरोधात्मक उपाय के तौर पर मलेरिया-रोधी दवाएं लें।

टॉम को पता था कि मलेरिया एक गम्भीर बीमारी है और वे मेफ्लोक्वीन हायड्रोक्लोराइड का इस्तेमाल करके मलेरिया की रोकथाम करने की सिफारिश के बारे में भी जानते थे। मलेरिया के जोखिम वाले देशों के उनके पिछले यात्रा पर उन्होंने मेफ्लोक्वीन ली थी और वे संक्रमण की रोकथाम में सफल रहे थे। लेकिन दवा-प्रतिरोधी मलेरिया की हाल की कहानियों और मेफ्लोक्वीन के कुछ सूचित दुष्प्रभावों ने उन्हें इंटरनेट पर इसका विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मलेरिया के होम्योपैथिक उपचार के बारे में इंटरनेट पर खोज की और उन्हें एक होम्योपैथिक उत्पाद की वेबसाइट मिली, जिसका दावा था कि वह उत्पाद, मलेरिया की रोकथाम और उसके उपचार में असरदार था। उस वेबसाइट पर बहुत से लोगों के बयान मौजूद थे, जिसमें उन्होंने होम्योपैथिक दवा लेकर मलेरिया की रोकथाम करने या उसका उपचार करने का दावा किया था। दुर्भाग्य से, टॉम को यह नहीं पता था कि होम्योपैथिक दवाएं संघीय खाद्य व औषधि प्रशासन के नियंत्रण में नहीं हैं, यानि उनकी प्रभावकिता वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं थी। वेबसाइट पर मिली जानकारी पर भरोसा करते हुए उन्होंने एक होम्योपैथिक दवा खरीद ली। उसकी कीमत, मेफ्लोक्वीन के एक प्रिस्क्रिप्शन (पर्चे) की कीमत की आधी थी।

टॉम ने नाइजीरिया के अपन यात्रा से पहले और वहां अपने ठहरने के दौरान होम्योपैथिक उत्पाद का इस्तेमाल करते हुए निरोधात्मक उपचार करने के निर्देशों का पालन किया। उन्हें पता था कि उन्हें मच्छर काट रहे हैं और सोने की उनकी सुविधाओं में मच्छरदानी शामिल नहीं थी, जो कि एक और सिफारिश की गई निरोधक गतिविधि है।

जब वे यू.एस. लौटे तो वह क्रिसमस की छुट्टियों का वक्त था। तो टॉम ने सिल्वर क्रीक, मिसीसिपी में अपने परिवार से मिलने का निश्चय किया। मिसीसिपी के लिए निकलने से कुछ दिन पहले उन्हें फ्लू जैसे लक्षणों का अनुभव होने लगा और कपकपी आने लगी, लेकिन वे उसे लेकर ज़्यादा चिंतित नहीं थे क्योंकि उन्हें लग रहा था कि यह फ्लू का एक हल्का-फुल्का मामला है।

वे क्रिसमस से एक दिन पहले अपने माता-पिता के घर पहुंचे, पर तब तक लक्षण और बदतर हो चुके थे। मलेरिया के उपचार के लिए उत्पाद निर्माता की अनुशंसा के अनुसार उन्होंने उस होम्योपैथिक उत्पाद की खुराक बढ़ा दी और उन्हें अपनी बाहों और छाती पर चकत्ते/ददोरे दिखने लगे। वे पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल हुए, लेकिन वक्त गुज़रने के साथ-साथ उनकी हालत और बिगड़ती गई। उन्हें 103.7 डिग्री का बुखार था, उबकाईयां आ रही थीं और शरीर पर चकत्ते थे। आखिरकार उनके पिता जोर देकर उन्हें मोंटसिलो के स्थानीय आपातस्थिति कक्ष ले गए, जहां से उन्हें हेटीज़बर्ग के फोररेस्ट जनरल हॉस्पटिल में भेज दिया गया। उन्हें फौरन ही गहन चिकित्सा इकाई में पहुंचा दिया गया, क्योंकि जांचों से पता चला था कि उनके गुर्दे पूरी क्षमता से कार्य नहीं कर रहे थे, उनमें रक्त की कमी हो गई थी, रक्त की नलिकाओं में जगह-जगह जमावट हो रही थी (डिसिमेनिटेड इंट्रावस्कुलर कोएगुलेशन, एक सिंड्रोम जो बहुत तेजी से सदमे और मृत्यु का कारण बन सकता है), और एनसफिलोपैथी (मस्तिष्क की एक दुष्क्रिया) भी थी। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। एक प्रयोगशाला परीक्षण (जिसे ब्लड स्मीयर कहा जाता है) ने प्लाज़्मोडियम फाल्सीपैरम के परजीवी दर्शाए। यह वही परजीवी है, जो मलेरिया की सर्वाधिक घातक किस्म पैदा करता है। उनके परिवार को बताया गया कि टॉम की हालत बहुत नाजुक है और शायद वे बचेंगे नहीं। उन्हें मलेरिया-रोधी दवाओं से उपचार दिया गया, कई तरह के रक्त उत्पाद चढ़ाए गए। उनके गुर्दों को पहुंचे नुकसान की वजह से वे डायलसिसि की जरूरत पड़ने की स्थिति में आ पहुंचे थे। भाग्य से, टॉम की बीमारी की गम्भीरता के बावजूद उपचार सफल रहा। टॉम कहते हैं कि उन्होंने सात दिन बाद आंखें खोली थीं और इस बारे में उन्हें ज़्यादा कुछ याद नहीं था कि वे अस्पताल कैसे पहुंचे।

टॉम यह मानते हैं कि मिसिसिपी में अपने परिवार से मिलने जाने के फैसले ने ही शायद उनकी जान बचाई क्योंकि नहीं तो वे ओकलाहोमा अकेले लौट आते जहां उनकी देखरेख के लिए कोई नहीं होता। हालांकि, वे शुक्रगुजार हैं कि वे बच गए, पर अस्पताल में भर्ती होने के लिए अपने बीमा कवर को हासिल करने में उनका सामना नई बाधाओं से हुआ। चूंकि वे बीमा कम्पनियां बदलने की प्रक्रिया के बीच में बीमार पड़े थे इसलिए $35,000 से भी अधिक के उनके चिकित्सीय खर्चे का भुगतान अब उन्हीं के सिर था। 12 वर्ष से भी अधिक पुराने उनके नियोक्ता ने उदारता दिखाते हुए उनके अस्पताल के बिल में योगदान दिया और उनके चर्च ने भी एक छोटा सा योगदान किया, पर टॉम अभी भी बिल के अधिकांश हिस्से के लिए खुद को ही जिम्मेदार मानते हैं।

इस वित्तीय भार के अतिरिक्त, उन्हें दो हफ्ते के काम का नुकसान भी उठाना पड़ा। वे मानते हैं कि शायद वो काम पर कुछ जल्दी लौट आए थे, पर वे अपने कार्यालय से अपने दायित्वों का निर्वाह करने में समर्थ थे। पहले काफी अच्छी सेहत होने के बावजूद उन्हें पूरी तरह ठीक होने में लगभग छः महीने लग गए।

टॉम खुद के बच जाने के लिए शुक्रगुजार हैं और मलेरिया की अनुशंसित दवा नहीं लेने से उन्होंने क्या सीखा इस बारे में वे मजाकिया ढंग से बताते हैं। जब उनसे यह पूछा गया कि मलेरिया की रोकथाम के बारे में वे क्या सलाह देना चाहेंगे, तो उन्होंने कहा कि वे स्वास्थ्य विभाग से परामर्श करने की और मलेरिया की रोकथाम की उनकी सिफारिशों का पालन करने की सलाह देंगे।

ऐसे इलाकों, जहां मलेरिया के संपर्क में आने की सम्भावना हो, में जाने वाले मुसाफिरों को सलाह दी जाती है कि वे ऊपर उल्लिखित सीडीसी वेबसाइट पर परामर्श करें और सिफारिशों का पालन करें। इन अनुशंसाओं में मच्छर भगाने के उत्पादों का इस्तेमाल करना, मच्छरदानियों का इस्तेमाल करना और अनुमोदित निरोधक दवाओं का इस्तेमाल करना शामिल है। अपने डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन (पर्चों) के बग़ैर ली गई दवाओं से सावधान रहें, क्योंकि नकली दवाएं भी लोगों को मलेरिया के जोखिम में डाल सकती हैं। सही जानकारी का पालन करने से मलेरिया की रोकथाम की जा सकती है।